सुदूर दक्षिणी प्रवालभित्ति को भारी क्षति

drishtiias.com/hindi/printpdf/bleaching-hits-world-southernmost-coral-reef

संदर्भ

समुद्र का तापमान बढ़ने से सुदूर दक्षिण में स्थित कोरल रीफ को भारी क्षति पहुँच रही है।

प्रमुख बिंदु

- इस वर्ष तापमान बढ़ने के कारण लॉर्ड होवे द्वीप (Lord Howe) के प्रवाल (Coral) में प्रवाल विरंजन (Coral Bleaching) की समस्या उत्पन्न हो रही है।
- वैज्ञानिकों ने पाया है कि लॉर्ड होवे द्वीप के छिछले लैगून के आस-पास की लगभग 90% प्रवालभित्ति (Coral Reefs) विरंजन से प्रभावित हैं जबकि समुद्री पार्क की गहराई में स्थित प्रवालभित्ति विरंजन से बच गए हैं।
- आस्ट्रेलियाई वैज्ञानिकों ने बताया है कि जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ते समुद्री तापमान की वज़ह से सबसे अलग और मानवीय पहुँच से दूर स्थित पारिस्थितिकी तंत्र भी प्रभावित हो रहे हैं।

लॉर्ड होवे द्वीप

- ज्ञातव्य है कि लॉर्ड होवे द्वीप ऑस्ट्रेलिया स्थित दुनिया का सबसे दक्षिणी प्रवालभित्ति है।
- यह सिडनी के समुद्र तट से लगभग 600 किमी दूर स्थित है।
- द्वीप के दूर और अलग स्थित होने के कारण ही यह 2016 और 2017 में ग्रेट बैरियर रीफ को नुकसान पहुँचाने वाले गंभीर विरंजन से सुरक्षित था।

प्रवाल विरंजन

> जब तापमान, प्रकाश या पोषण में किसी भी परिवर्तन के कारण प्रवालों पर तनाव बढ़ता है तो वे अपने ऊतकों में निवास करने वाले सहजीवी शैवाल जूज़ैंथिली को निष्कासित कर देते हैं जिस कारण प्रवाल सफेद रंग में परिवर्तित हो जाते हैं। इस घटना को कोरल ब्लीचिंग या प्रवाल विरंजन कहते हैं।

और पढ़ें...

ग्रेट बैरियर रीफ के लिये राहत की खबर

सबसे बड़ी कोरल रीफ को भारी क्षति

स्रोत: द हिंदू